जाँच पत्र-2
(पाठ 13-23 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चंद्रा पोलियो का शिकार हो गई थी।

(ख) जब होटल के बंद होने का अलार्म बजा तब वीनू भी और लोगों के साथ उठा और चुपचाप डिटेक्टर मशीन की ओट में दीवार के सहारे छिपकर बैठ गया।

(ग) बिस्मिल्ला खाँ को सबसे पहले शहनाईवादन की बारीकियाँ उनके मामा स्वर्गीय उस्ताद अली बख्श खाँ ने सिखाई थीं।

(घ) शाम को प्रभात लेखक के घर पर था और दादी से कह रहा था, "दादी अम्माँ! मैंने बचपन में जो पाप किया था, उसे मैं आज तक नहीं भूला हूँ और मैं उस शाप को भी नहीं भूला हूँ, जो आपने मुझे दिया था। जब तक आप इलाहाबाद में रहीं, मुझे देखते ही कहने लगती थीं – अरे, कम्बख्त मंटुआ! तूने मासूम पिल्लों की आँखें फोड़ी हैं, तेरी आँखें भी किसी दिन इसी तरह फूटेंगी। आपके इस शाप से मुझे अपने पाप का बोध हुआ और मैंने फ़ैसला कर लिया कि मुझे जीवन में नेत्र-चिकित्सक ही बनना है। मेरी आँखें तो आपके शाप के कारण कभी-न-कभी फूटेंगी ही पर उससे पहले मैं बहुत-सी आँखों को रोशनी दे जाऊँगा। उन बहुत-सी आँखों में से दो आँखें आपकी भी होंगी, दादी अम्माँ!"

(ङ) इनफ़ोसिस की नींव रखने के साथ ही नारायण मूर्ति तथा उसके सहयोगियों को चुनौतियों ने घेर लिया था। इन चुनौतियों ने उनके धैर्य की परीक्षा ली। कभी-कभी तो ऐसा लगा कि कंपनी का भविष्य अंधकारमय हो चला है। लेकिन, नारायण मूर्ति और उनके सहयोगियों ने इन चुनौतियों का डटकर सामना किया। इसी संदर्भ में नारायण मूर्ति ने कहा कि मेरा यह विश्वास है कि जब अँधेरा सबसे ज़्यादा गहरा होता है तब सुबह सबसे नज़दीक होती है।

(च) इन पंक्तियों में नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा-सहायता करने तथा लालच एवं प्रलोभनों के आगे न झुकने जैसे मानवीय गुणों की बात कही गई है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ लिखिए –

(क) इन पंक्तियों में कवि ने सच्चे मित्र की पहचान बताते हुए यह कहा है कि हमारा सच्चा मित्र हमें बुरे मार्ग पर चलने से रोकता है यानी हमें बुराइयों की ओर नहीं जाने देता। हमारा मार्ग-दर्शन करके हमें सही दिशा दिखाता है। हमारे अवगुणों को दूर करके सद्‌गुणें का विकास करता है। सदैव हमें अच्छाई की ओर ले जाता है।

(ख) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि सृष्टि में एकरूपता लाने के लिए सभी लोगों को मिलकर एक दिशा, एक लक्ष्य बनाकर चलना होगा। फिर उसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें अपना मार्ग प्रशस्त करना है। चाहे राह में कितनी ही बाधाएँ, परेशानियाँ क्यों न आएँ, उन्हें खुशी-खुशी ढकेलते हुए आगे बढ़ना चाहिए। इस लक्ष्यप्राप्ति में सभी साथ चलें। न तो किसी में मन-मुटाव हो, न भेदभाव एवं भिन्नता हो। सबका एक ही लक्ष्य हो मानवता की भलाई। इस प्रकार जो सभी के हित का सोचे, सभी का मार्ग प्रशस्त करे, वही मनुष्य है।

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए –

(क) अंश (ख) धुलवा (ग) लाल (घ) शाप (ङ) अड्डा

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) दादी की (ख) इस होटल (ग) उतार-चढ़ाव (घ) रखकर (ङ) सांस्कृतिक

5. उचित विकल्प चुनिए –

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (iii)

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) अतिथि ने हमारे प्रति कृतज्ञता प्रकट की। (ख) राजघाट गांधी जी का स्मृति स्थल है।

(ग) जासूस ने छिपे हुए चोरों का पता लगाया।

(घ) व्यक्ति अनुभव से ही सीखता है। (ङ) किसी का भी अपमान मत करो।